तापमान		
भोपाल	24.0°	32.0°
इंदौर	24.0°	33.0°
जबलपुर	26.0°	36.0°
ग्वालियर	29.0°	37.0°
सागर	25.0°	33.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 225, पृष्ठ 12)
आषाढ़, अमावस्या संवत् 2083
मंगलवार, 14 जुलाई 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... स्वच्छ भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के ...

खेल... मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों के नाम है टी20 ...

व्यापार... सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और ...

देश-विदेश... दक्षिण चीन सागर विवाद पर अमेरिका और ...

फिर सक्रिय होगा मानसून, कई हिस्सों में तेज वर्षा के आसार

20 जुलाई से अच्छी वर्षा होने के संकेत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राजस्थान, गुजरात तथा उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में पिछले तीन से चार दिनों से कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर सक्रिय होने की संभावना है। उपग्रह चित्रों में पूर्वी, मध्य तथा पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं, जिससे आने वाले दिनों में वर्षा की गतिविधियां तेज होने के संकेत मिले हैं। मौसम विभाग के अनुसार बांग्लादेश तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के ऊपर बने चक्रवाती तंत्र और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले कुछ दिनों में वर्षा की तीव्रता बढ़ सकती है। इन मौसमी प्रणालियों के कारण देश के अनेक भागों में व्यापक वर्षा होने की संभावना जताई गई है। विभाग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 18 राज्यों के लिए भारी वर्षा का लाल चेतावनी संकेत जारी किया है। इसके साथ ही उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के राज्यों तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले छह से सात दिनों तक अनेक स्थानों पर अच्छी से भारी वर्षा होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी दिनों में कई क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदल सकता है।

35 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगेः डॉ. यादव

तकनीकी विकास सम्मेलन में 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में सोमवार को तकनीकी विकास सम्मेलन के तीसरे संस्करण का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख तकनीकी और औद्योगिक केंद्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के उद्योगपति, निवेशक और नीति विशेषज्ञ शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विश्व में तेज गति से विकास करने वाले देशों में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान पहले केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित थी, लेकिन अब प्रदेश में ड्रोन से लेकर प्रक्षेपास्त्र तक का निर्माण हो रहा है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान 51 प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनके माध्यम से प्रदेश में लगभग 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 35 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मध्यप्रदेश को

वैश्विक क्षमता केंद्र, अर्धचालक निर्माण तथा आंकड़ा केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष स्पेन के बार्सिलोना दौरे के बाद स्पेन, अमेरिका और कनाडा की कंपनियों ने मध्यप्रदेश में 228 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में बार्सिलोना यात्रा के दौरान एक गीगावाट क्षमता वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आंकड़ा केंद्र के लिए समझौता हुआ था और अब संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि भोपाल पहुंच चुके हैं।

सम्मेलन के दौरान इंदौर के सुपर कॉरिडोर तथा भोपाल में नए सूचना प्रौद्योगिकी उद्यान विकसित करने और भोपाल के कोलार क्षेत्र में पांच एकड़ भूमि पर एक नए सूचना प्रौद्योगिकी उद्यान की स्थापना की घोषणा की गई। इन परियोजनाओं के माध्यम से विश्वस्तरीय कंपनियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भविष्य की तकनीकों पर तेजी से कार्य कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आंकड़ा केंद्र, विज्ञान नगरी तथा अन्य उच्च तकनीकी क्षेत्र प्रदेश के विकास की नई पहचान बन रहे हैं। सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, अनुसंधान तथा उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

27 लोग जिंदा जले, 63 गंभीर घायल

बैंकॉक में हादसा — शौचालय में छिपे लोगों का धुएँ से दम घुटा

बैंकॉक, एजेंसीः थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के उत्तरी क्षेत्र स्थित एक पब में रविवार देर रात मौज-मस्ती के दौरान भीषण आग लग गई। जिससे 27 लोग जिंदा जल गए और 63 घायल हैं। अधिकारियों के अनुसार मृतकों में नौ पुरुष और 18 महिलाएं शामिल हैं। सभी घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। अग्निशमन विभाग के अनुसार रात करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। दमकल कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक इमारत का बड़ा हिस्सा जल चुका था। घटनास्थल पर मौजूद एक संगीतकार ने बताया कि बिजली जाने से कुछ समय पहले मंच के पास लगे बिजली कंट्रोल रूम से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके तुरंत बाद तेज धमाका हुआ और देखते ही देखते पूरा पब धुएँ से भर गया। घबराए कई लोग जान बचाने के लिए भवन के पिछले हिस्से में बने शौचालय में छिप गए, जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने घटनास्थल देखा

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। बैंकॉक के राज्यपाल चाडचार्ट सित्तिपुंत ने कहा कि छत पर लगी ज्वलनशील सजावटी सामग्री के कारण आग तेजी से फैल सकती है। उन्होंने बताया कि आपातकालीन निकास के पास कुछ लोग अचेत अवस्था में मिले, जिससे आशंका है कि बाहर निकलने का मार्ग बाधित था। हालांकि इसकी पुष्टि न्यायालयिक वैज्ञानिक जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पूर्व में हुए ऐसे हादसे

थाईलैंड में इससे पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। वर्ष 2022 में बैंकॉक के दक्षिण स्थित एक कस्बे के मदिरालय में आग लगने से 22 लोगों की मृत्यु हुई थी, जबकि वर्ष 2009 में नववर्ष समारोह के दौरान एक रात्रि मनोरंजन केंद्र में लगी आग में 66 लोगों की जान गई थी।

भावुक हुए नरोत्तम मिश्रा, सीएम बोले आशुतोष को जिताना आपकी जिम्मेदारी

दतिया उपचुनावः भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जमा किए

नईदुनिया ब्यूरो, दतिया : दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान दोनों दलों ने शक्ति प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी की सभा में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी में फूट होने की बात करती है, जबकि सभी नेता एकजुट होकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को विजयी बनाने के लिए वह दतिया के एक-एक घर के सामने शीश नवाएंगे। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि छोटे भाई आशुतोष तिवारी को डॉ. नरोत्तम मिश्रा के सुपुर्द किया जा रहा है और उन्हें विजय दिलाने की जिम्मेदारी अब उनकी है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने पूर्वाह्न में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव उपस्थित रहे।

बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चमोलीः बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी प्रकरण में चमोली पुलिस के विशेष जांच दल ने बद्री-केदार मंदिर समिति के निलंबित निजी सहायक प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें 12 जुलाई की रात देहरादून स्थित उनके आवास से पकड़कर चमोली लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट धार भोजशाला मामले में सुनवाई को तैयार

हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं की कमियां दूर करने के निर्देश

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः धार स्थित ऐतिहासिक एवं विवादित भोजशाला परिसर प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने की सहमति जताई है। यह याचिकाएं उस निर्णय के विरुद्ध दायर की गई हैं, जिसमें विवादित परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर माना गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मुस्लिम पक्ष की ओर से मामले की शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया गया। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाओं में मौजूद तकनीकी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी तथा अधिवक्ता निज़ाम पाशा ने अदालत से मामले को शीघ्र सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। न्यायालय ने आश्वासन दिया कि तकनीकी त्रुटियां दूर होते ही याचिकाओं को उचित पीठ के समक्ष शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। दूसरी ओर, हिंदू पक्ष ने भी सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन दायर कर अनुरोध किया है कि उनका पक्ष सुने बिना कोई एकपक्षीय आदेश पारित न किया जाए।

उल्लेखनीय है कि 15 मई 2026 को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने अपने निर्णय में भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर माना था। साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वर्ष 2003 के उस आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसके अंतर्गत हिंदुओं को मंगलवार तथा मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को धार्मिक अनुष्ठान की अनुमति दी गई थी।

चांदीपुरा विषाणु संक्रमण से 12 बच्चों की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, गोधराः गुजरात में चांदीपुरा विषाणु संक्रमण के कारण पिछले एक महीने में 12 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन बच्चों में चांदीपुरा विषाणु संक्रमण की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य नौ बच्चों की मृत्यु के कारणों की जांच जारी है। संक्रमण के मामले गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों से सामने आए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने बताया कि अब तक तीन बच्चों की मौत चांदीपुरा विषाणु संक्रमण से होने की पुष्टि हुई है। इनमें दो बच्चों की मृत्यु गोधरा तथा एक बच्चे की हिम्मतनगर में हुई। प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक 27 संदिग्ध मरीजों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। इनमें से 19 नमूनों की जांच पूरी हो चुकी है, जिनमें सात बच्चों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। संक्रमित सात बच्चों में से तीन की मृत्यु हो चुकी है, जबकि चार का उपचार चल रहा है। शेष आठ नमूनों की जांच जारी है। पंचमहल जिले में अब तक 13 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। गोधरा के चिकित्सालय

में पांच बच्चों का उपचार चल रहा है, जबकि तीन अन्य बच्चों का उपचार वडोदरा में किया जा रहा है। एक बच्चे को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

हिम्मतनगर के चिकित्सकों के अनुसार 26 जून से 13 जुलाई के बीच नौ मामले सामने आए, जिनमें छह बच्चों की मृत्यु हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

प्रशासन ने राज्य के 61 प्रभावित क्षेत्रों में गहन सर्वेक्षण और कीटनाशक छिड़काव के निर्देश दिए हैं। यह विषाणु बालू मक्खी के माध्यम से फैलता है। प्रभावित क्षेत्रों में इसके नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

होर्मुज पर ट्रम्प का नया दांव

सुरक्षा के बदले मालवाहक जहाजों से 20 प्रतिशत टैक्स लेगा अमेरिका

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका द्वारा संभालने का दावा करते हुए कहा कि इस मार्ग से गुजरने वाले कार्गो जहाजों पर 20% टैक्स लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरानी जहाजों और उसके सहयोगियों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, जबकि अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित आवाजाही की सुविधा मिलेगी। ट्रम्प के बयान पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि होर्मुज की सुरक्षा और प्रबंधन उसका संप्रभु अधिकार है तथा किसी भी अमेरिकी दखल को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस बीच अमेरिकी नौसेना ने 14 जुलाई से ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू करने की घोषणा की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के नौसैनिक ठिकानों और पनडुब्बी अड्डों पर हमलों का भी दावा किया। बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ गई, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंता गहरा गई।

रूस का विशेष कमान विमान तेहरान पहुंचा

तेहरानः रूस का विशेष कमान विमान तेहरान पहुंचने का दावा किया गया है। उड़ानों की वास्तविक समय की जानकारी उपलब्ध कराने वाले एक मंच के अनुसार यह विमान ईरान की राजधानी पहुंचा। यह सामान्य विशिष्ट अतिथि विमान नहीं माना जाता, बल्कि इसमें सुरक्षित संचार, कमान तथा नियंत्रण प्रणाली और विशेष आंकड़ा संपर्क व्यवस्था लगी है। बताया जाता है कि संकट की स्थिति में इस विमान के माध्यम से रूस का शीर्ष नेतृत्व उड़ान के दौरान भी सेना और शासन का संचालन कर सकता है। इसी कारण इसे प्रलयकालीन उपयोग के विशेष विमान के रूप में भी जाना जाता है। इस विमान का संचालन रूस के विशेष उड़ान दस्ते द्वारा किया जाता है। यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है और ईरान भी जवाबी कार्रवाई में जुटा है। विशेषज्ञ इस घटनाक्रम को रूस और ईरान के बीच उच्चस्तरीय संपर्क का रणनीतिक संकेत मान रहे हैं।

प्रस्ताव — सर्वोच्च न्यायालय के प्रस्ताव को ठुकराया, कहा- न्यायिक प्रक्रिया से ही चाहते हैं अंतिम निर्णय...

काशी, मथुरा और संभल विवादों में मध्यस्थता से दोनों पक्षों का इन्कार

नईदुनिया ब्यूरो, वाराणसीः उत्तर प्रदेश के तीन प्रमुख मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिए गए मध्यस्थता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह तथा संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। दोनों पक्षों ने स्पष्ट किया है कि वे समझौते के बजाय न्यायालय में विधिक प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम निर्णय चाहते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से 'समाधान समारोह-2026' पहल के अंतर्गत दोनों पक्षों को पत्र भेजकर मध्यस्थता के लिए सहमति मांगी थी। हालांकि किसी भी पक्ष ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। न्यायालय की ओर से यह पत्र कब भेजा गया था, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के अंतर्गत विशेष लोक अदालत का आयोजन प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य लंबे समय से लंबित विवादों का आपसी सहमति और संवाद के माध्यम से समाधान करना है।

इसके बावजूद संबंधित पक्षों ने इन मामलों में मध्यस्थता से इनकार

कर दिया है। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर बनाई गई थी। उनकी मांग है कि परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए, नियमित पूजा की अनुमति मिले तथा परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए। वहीं मुस्लिम पक्ष ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बनाए रखने, नमाज के अधिकार सुरक्षित रखने तथा पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के प्रावधान लागू करने की मांग कर रहा है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में हिंदू पक्ष मस्जिद हटाकर भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास को सौंपने और मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग कर रहा है।

दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष शाही ईदगाह को वैध धार्मिक स्थल मानते हुए वर्ष 1968 के समझौते और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को लागू रखने की मांग कर रहा है। संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष का दावा है कि वहां पहले प्राचीन हरिहर मंदिर था। उनकी मांग पुरातात्विक सर्वेक्षण, मंदिर के अवशेष मिलने पर उसके पुनर्स्थापन तथा पूजा के अधिकार की है। मुस्लिम पक्ष मस्जिद को ऐतिहासिक और वैध धार्मिक स्थल बताते हुए सर्वेक्षण और नए वादों पर रोक लगाने की मांग कर रहा है।

तीनों मामलों में अब नियमित न्यायिक सुनवाई जारी रहेगी। दोनों पक्ष अपने-अपने साक्ष्य और तर्क न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यदि भविष्य में दोनों पक्ष सहमत होते हैं तो न्यायालय मध्यस्थता के विकल्प पर पुनर्विचार कर सकता है। फिलहाल इन विवादों का अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।